भिलाई के शहरी गौठान में महिलाएं तैयार कर रही है सेनेटरी पैड, कम कीमत के चलते कमजोर वर्ग तक होगी इसकी पहुंच, क्वालिटी से कोई समझौता नहीं बल्कि माहवारी के दौरान महिलाओं को एनर्जेटिक रखना होगा इस पैड की खासियत

भिलाई नगर/ नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत शहरी गौठान में महिलाएं सेनेटरी पैड बनाने का कार्य कर रही है। इसके लिए महिलाओं ने लगभग डेढ़ लाख की मशीन स्थापित की है , सेनेटरी पैड बनाने के लिए महिलाओं ने काम चालू कर दिया है, आज निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने कार्य का निरीक्षण किया उन्होंने महिलाओं को इस दिशा में आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त मनीष गायकवाड , प्रभारी सहायक अभियंता आलोक पसीने, उप अभियंता गौरव अग्रवाल , सामाजिक कल्याण विभाग से अजय शुक्ला , राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन से फणींद्र बोस, महिला स्व सहायता समूह से सुलोचना धनकर, रेखा बघेल आदि मौजूद रहे। सेक्टर 2 की जगत जननी महिला स्व सहायता समूह ने कमजोर वर्ग आए की किशोरियों और महिलाओं तक इस पैड को पहुंचाने का जिम्मा लिया है। समूह की अध्यक्ष अनामिका सिंह ने बताया कि इस पैड की खासियत यह है कि माहवारी के दौरान महिलाओं को यह एनर्जेटिक रखता है परंतु गौठान में निर्मित पैड में इसका उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने आगे इसकी और खासियत के बारे में बताया कि इस पैड में जेल सीट का उपयोग किया जा रहा है जबकि आमतौर पर अन्य पैड में यह नहीं होता है , अनामिका ने कहा कि मार्केट से यह सस्ती दर पर उपलब्ध होगा उद्देश्य यह है कि यह ऐसी महिलाओं तक पहुंचे जो पैड को लेकर ज्यादा खर्च वहन नहीं कर सकती है। महापौर नीरज पाल ने स्व सहायता समूह की महिलाओं को बेहतर प्लेटफार्म देने के लिए गौठान में ऐसी महिलाओं को स्थान दिया है जो महिलाओं के स्वास्थ्य की दिशा में भी अग्रणी होकर कार्य कर सकती हैं और आर्थिक आय भी अर्जित कर सकती हैं। जगत जननी महिला स्व सहायता समूह में लगभग 14 महिलाएं काम कर रही है इसमें कोषाध्यक्ष फूलवती भगत और सचिव प्रमिला डडसेना का काफी अहम रोल है। जिसकी जरूरत एक बेहतर पैड को होती है, महिलाओं की सुरक्षा को इसमें खासा ध्यान रखा गया है। सेनेटरी पैड में वुड पल्प, ओनियन सीट, वावेल सीट, बैक सीट एवं फ्रंट सीट तथा जेल सीट इस्तेमाल किया जा रहा है। महिला अध्यक्ष ने बताया कि सेनेटरी पैड बनाने के लिए चार प्रोसेस से गुजरना पड़ता है, कटिंग बॉन्डिंग , स्टरलाइजेशन एवं पैकेजिंग इसकी महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। उन्होंने बताया कि 10 दिन के भीतर सेनेटरी पैड तैयार हो जाएगा।